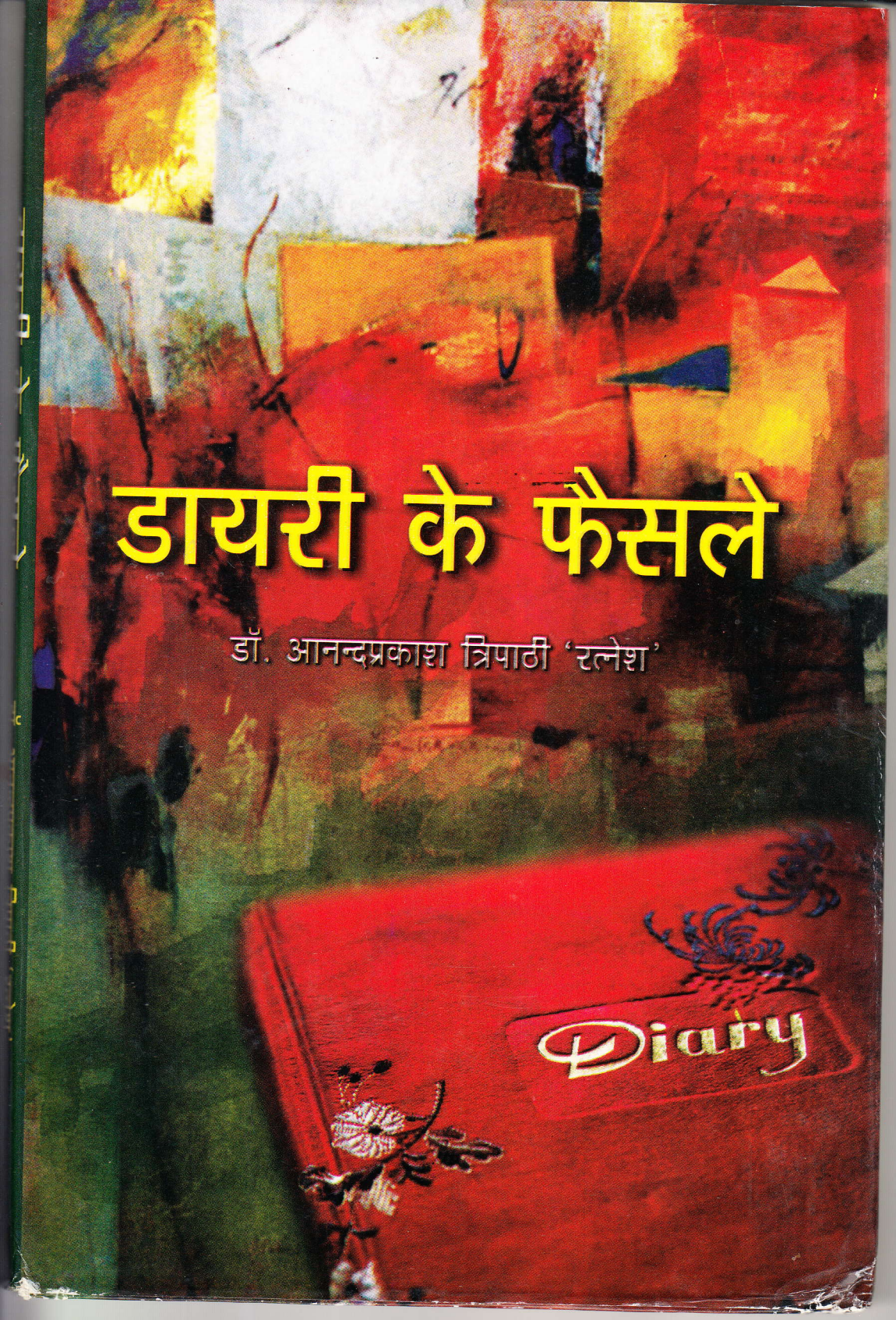
डायरी के फैसले
डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी 'रत्नेश'
Diary

मूल्य : ₹ 140/-

संस्करण : 2014

ISBN : 978-93-82908-10-4

DAIRY KE FAISLE
by Dr. Anand Prakash Tripathi 'Ratnesh'

पुलकित प्रकाशन

बाणवालों का दरवाजा, चौड़ा रास्ता, जयपुर (राजस्थान)

मुद्रक : शीतल ऑफसैट प्रिण्टर्स, जयपुर

प्रस्तु

आधुनिक हिन्दी साहित्य में
घटना के रूप में देखा जाता है। दैनि
का ही उपयोग करता रहा है फिर भी
मिल पाया जो पद्य को मिला, इसका
पद्य को लोग सरलता से कंठस्थ कर
आनन्द की अनुभूति होती है, वहीं दू
है तथा उसे पढ़ने में कोई सुखात्मक
को बौद्धिकता का युग माना जाता
यह बौद्धिकता दिन दूनी रात चौगु
अभिव्यक्ति के लिए पद्य की अपेक्षा
हुआ। आधुनिक युग की विषय बहु
प्रतिदिन गद्य साहित्य के निर्माण
परिणामस्वरूप पूरा का पूरा युग ही
युग में काव्य रचना भी हुई फिर भ
कुछ साहित्यकारों ने इस युग को

गद्य की अनेक लोकप्रिय
लघु कहानी, बाल कहानी, नाटक,
रिपोर्ताज, संस्मरण, आत्मकथा, ज
की इन विधाओं में कहानी को
जाता है। आज भी कहानी को ल
हैं। दैनिक समाचार पत्रों के रविवा